This question paper contains **4+1** printed pages]

2017

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **1313**

Unique Paper Code : **213504** H

Name of the Paper : **Linguistics and Philosophy of Language**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'/(Part 'A')

1. भाषा की परिभाषा बताते हुए भाषा की विशेषताएँ बताइए। 10

Define language and discuss its characteristics in detail.

P.T.O.

अथवा/*Or*

भाषा की उपयोगिता बताते हुए भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

Stating the uses of language describe the different theories of its origin.

2. भारोपीय परिवार की प्रमुख शाखाओं का विवेचन कीजिए। 10

Describe in brief the major branches of Indo-European family.

अथवा/*Or*

भारोपीय परिवार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the features of Indo-European family.

3. तुलनात्मक भाषा-विज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय दीजिए। 10

Give a brief account of history of comparative linguistics.

अथवा/*Or*

भाषाविज्ञान का अर्थ बताते हुए इसकी उपयोगिता पर विचार कीजिए।

Discussing the purport of linguistics throw light on its utility.

4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6+6+6=18

Write short notes on :

(क) पदविज्ञान

Morphology

अथवा/*Or*

अर्थविज्ञान

Semantics

(ख) संस्कृत एवं अवेस्ता

Sanskrit and Avesta

अथवा/*Or*

लौकिक एवं वैदिक संस्कृत

Classical and Vedic Sanskrit

(ग) ध्वन्यनुकरण सिद्धान्त

Bow-wow theory

अथवा/*Or*

समन्वय सिद्धान्त

Samanvaya theory.

भाग 'ख'/(Part 'B')

5. लक्षणा का भेदों सहित वर्णन कीजिए। 10

Describe Lakṣana with its kinds.

अथवा/*Or*

व्यञ्जना वृत्ति का विस्तृत वर्णन कीजिए।

Describe Vyañjana Vṛitti in detail.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5+5=10

Write short notes on any *two* of the following :

(क) शब्द और संकेतग्रह

Word and its import

(ख) अभिधा वृत्ति

Abhidhā Vṛitti

(ग) तात्पर्य

Tātparya.

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में लघु टिप्पणी लिखिए : 7

Write a short note on any *one* of the following in Sanskrit :

(क) गङ्गायां घोषः

Gangayām Ghoshaḥ

(ख) अन्विताभिधानवाद

Anvitābhidhānavāda

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, Delhi-19

This question paper contains 3 printed page.

Roll No. ....

Sr. No. of Question Paper	:	2084
Unique Paper Code No	:	2131502
Name of the Paper	:	**Vedic Literature**
Name of the Course	:	B.A. (Hons.) Sanskrit (FYUP Modified)
Semester	:	V

Duration : 3 Hours **Max. Marks : 75**

छात्रों के लिये निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English,** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक–एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए: (8x2=16)
Explain **one** Mantra from each section:

खण्ड –क / Section - A

(अ) अ॒ग्निमी॑ळे पु॒रोहि॑तं य॒ज्ञस्य॑ दे॒वमृ॒त्विज॑म्।

होता॑रं रत्न॒धात॑मम्।

(आ) उषो॒ वाजे॑न वाजिनि॒ प्रचे॑ताः स्तोमं॑ जुषस्व गृण॒तो म॑घोनि।

पुरा॒णी दे॑वि युव॒तिः पुर॑न्धि॒रनु॑ व्र॒तं च॑रसि विश्ववारे।।

खण्ड–ख / Section - B

(अ) यज्जाग्र॑तो दू॒रमु॒दैति॒ दैवं॒ तदु॑ सु॒प्तस्य॒ तथै॒वैति॑।

दू॒र॒ङ्ग॒मं ज्योति॑षां॒ ज्योति॒रेकं॒ तन्मे॒ मनः॑ शि॒वस॑ङ्कल्पमस्तु।।

(आ) अनु॑व्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भ॑वतु संम॑नाः।

जाया पत्ये मधु॑मतीं वाचं वदतु शन्ति॒वाम् ।।

2. निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए: (7)
Explain the following Mantra in **Sanskrit:**

मा भ्राता भ्रात॑रं द्विक्षन्मा स्वसा॑रमुत स्वसा॑।

सम्यञ्चः सव्र॑ता भूत्वा वाचं॑ वदतु भद्रया॑ ।।

अथवा / Or

अक्षैर्मा दी॑व्यः कृषिमित्कृ॑षस्व वित्ते र॑मस्व बहु मन्य॑मानः।

तत्र गावः॑ कितवः तत्र॑ जाया तन्मे वि च॑ष्टे सवि॒तामर्यः।।

3. अक्षसूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Delineate social value of Akshasukta. (10)

अथवा / Or

अग्निसूक्त के अनुसार अग्नि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
Describe the characteristics of Agni in the light of Agni Sukta

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए।
Write a note on any **two** of the following: (10)

(क) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ख) वैदिक शब्दरूप

(ग) विधिमूलक भाव

5. प्रश्न संख्या 1 के किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए।
Render into Padpath any one of the from question No.1: (6)

6. निम्नलिखित में प्रत्येक खण्ड से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए।
Explain any **two** Mantras choosing **one from each section:** (8x2=16)

खण्ड – क / Section-A

(अ) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णते च
यथा पृथिव्यामोषधयः संभवन्ति।
यथा सतः पुरुषात् केशलोमानि

(आ) अविद्यायान्तरे वर्तमानाः
स्वयं धीराः पण्डितं मन्यमानाः।
जङ्घन्यमानाः परियन्ति मूढा
अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः।।

खण्ड –ख / Section-B

(अ) तस्मादग्निः समिधो यस्य सूर्यः
सोमात्पर्जन्य ओषधयः पृथिव्याम्।
पुमान्रेतः सिञ्चति योषितायां
बह्वीः प्रजाः पुरुषात्संप्रसूताः।।

(आ) भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यन्ते सर्वसंशयाः।
क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे।।

7. मुण्डकोपनिषद के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Explain the characteristics of Brahma according to 'मुण्डकोपनिषद'. (10)

अथवा / Or

अपराविद्या के वर्ण्य विषय का वर्णन कीजिए।
Explain the subject matter of 'अपराविद्या'.

(3)

[This Question Paper contains 02 (Two) printed pages.]

7/12/17

Your Roll No.

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

H-7

Serial Number of the Question Paper : 2065

Unique Paper Code : 2131503

Name of the Course : B. A. (Hons.) Sanskrit

Name of the Paper : Introduction to Indian Philosophy

Semester : V

Time Allowed: 03 Hours **Maximum Marks: 75**

Instruction for Candidates:

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

विद्यार्थियों के लिये निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिये।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

Section A

1. दर्शन शब्द की व्याख्यायित करते हुये दर्शनशास्त्र की मूलभूत समस्यायों पर विस्तार से लिखिये। 15

   By explaining the word 'Darśana' discuss the fundamental problems of darśana-śāstra in detail.

   अथवा (Or)

   ज्ञानमीमांसा से आप क्या समझते हैं, यह दर्शन शास्त्र की किन समस्याओं पर केन्द्रित है?

   What do you understand by jñāna-mīmāmsā? How many philosophical problems are rotating around Epistemology?

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिये: 9

   Write note on **any one** of the following:

   (a) बहुत्ववाद (Pluralism)

   (b) निवृत्तिमार्ग (Path of dissociation)

   (c) मूल्यमीमांसा (Axiology)

Section B

3. वेदान्त दर्शन अथवा चार्वाक दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों पर विस्तार से लिखिये। 15
Write in detail the fundamental principles of Vedanta Philosophy **OR** the Cārvāka Philosophy.

4. निम्नलिखित में से किसी **दो** पर टिप्पणी लिखिये: 9 x2 = 18
Write notes on **any two** of the following:

(a) आर्यसत्य (Āryasatya)

(b) दुःखत्रयवाद (Three kinds of Sufferings)

(c) अष्टाङ्गयोग (Eight limbs of Yoga)

(d) अनेकान्तवाद (Anekāntavāda)

Section C

5. भारतीय दर्शनशास्त्र कार्यकारणवाद को बहुत महत्त्वपूर्ण मानता है, इसके कारण बताते हुये कार्यकारणवाद के मुख्य सिद्धान्तों की विवेचना कीजिये।
'Causality' is a very important concept for Indian Philosophy. Discuss its important principles by citing the reasons.

अथवा (Or)

निम्नलिखित में से किसी **दो** पर टिप्पणी लिखिये:
Write notes on **any two** of the following:

(a) गुणत्रय (Three Guṇa)

(b) सत्कार्यवाद (Satkāryavāda)

(c) मोक्ष (Salvation)

(d) स्वभाववाद (Naturalism)

9 x2 = 18

(4)

[This question paper contains 4 printed pages.]

9/12/17

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3121 **HC**

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (Core) CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग – क
Section – A

1. निम्नलिखित मंत्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain the following Mantra :

(क) अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः । देवो देवेभिरा गमत् ।।

अथवा / OR

उषो वाजेन वाजिनि प्रचेताः स्तोमं जुषस्व गृणतो मघोनि ।
पुराणी देवि युवतिः पुरन्धिरनु व्रतं चरसि विश्ववारे ।।

(ख) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत् ।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ।।

अथवा / OR

यस्मिन्नृचः साम यजूंषि यस्मिन्प्रतिष्ठिता रथनाभाविवाराः ।
यस्मिंश्चित्तं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

2. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए । (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit.

नीचा वर्तन्त उपरि स्फुरन्त्यहस्तासो हस्तवन्तं सहन्ते ।
दिव्या अंगारा इरिणे न्युप्ताः शीताः सन्तो हृदयं निर्दहन्ति ।।

अथवा / OR

अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम् । होतारं रत्नधातमम् ।।

3. अक्ष सूक्त में वर्णित जुआरी की मनोदशा **अथवा** उषा के वैदिक स्वरूप का वर्णन कीजिए । (10)

Explain the mantal state of gambler in Aksha Sukta **Or** describe the vedic features of Usas.

भाग – ख
Section – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

(क) वैदिक स्वरित Vaidika Svarita

(ख) वैदिक क्त्वार्थक Vaidika Ktvarthaka

(ग) विधिमूलक लेट् Vidhimulaka Let

5. प्रश्न संख्या १ में से किसी **एक** मंत्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए । (6)

Render into Padapatha any **one** of the Mantras of question No. 1.

अथवा / OR

पदपाठ के किन्हीं छः नियमों का उल्लेख कीजिए ।

Write any six rules of Padapatha.

भाग – ग

Section – C

6. निम्नलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain the following Mantra :

(क) न तत्र सूर्यो भाति न चन्द्रतारकं नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयमग्निः ।
तमेव भान्तमनुभाति सर्वं तस्य भासा सर्वमिदं विभाति ।।

अथवा / OR

नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुना श्रुतेन ।
यमेवैष वृणुते तेन लभ्यस् तस्यैष आत्मा विवृणुते तनुं स्वाम् ।।

(ख) तपसा चीयते ब्रह्म ततोऽन्नमभिजायते ।
अन्नात् प्राणो मनः सत्यं लोकाः कर्मसु चामृतम् ।

अथवा / OR

प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते ।
अप्रमत्तेन वैद्धव्यं शरवत् तन्मयो भवेत् ।।

7. मुण्डकोपनिषद् के नामकरण पर एक टिप्पणी लिखिए । (10)

Write a note behind the name of Mundakopanishad.

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

Describe the nature of Brahma according to Mundakopanishad.

(5)

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Sl. No. of Ques. Paper: **3295** **HC**

Unique Paper Code : **12137903**

Name of Paper : **Theatre and Dramaturgy in Sanskrit (DSE 3)**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (CBCS)**

Semester : **V**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers may be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

किन्हीं **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

Attempt any five questions.

1. नाट्यमण्डल के 18 प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए सर्वश्रेष्ठ नाट्यमण्डल का तर्कपूर्ण निर्धारण कीजिए।

Describe in details 18 kinds of theatre and logically decide the best one. 15

P. T. O.

2. नाटक को परिभाषित कीजिए तथा उसमें प्रयुक्त विविध प्रकार के अभिनयों का वर्णन कीजिए।

Define drama and describe the various types of acting performed in it. 15

3. रस क्या है? रस निष्पत्ति के विविध कारकों का विवेचन कीजिए।

What is Rasa? Explain the various factors of Rasa-Nishpatti. 15

4. पंचसन्धि एवं कार्यावस्थाओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

Illustrate Panchsandhi and Karyavastha with examples. 15

5. नेता की विविध विशेषताओं एवं उसके विविध प्रकारों का निरूपण कीजिए।

Discuss the various attributes and types of Hero. 15

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए।

Discuss the development of theatre in different time periods. 15

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का विस्तार से वर्णन कीजिए:

Explain any *five* of the following in detail:

मत्तवारिणी, जनान्तिक, परिपार्श्विक, खुला रंगमंच प्रकरी, विकास, स्वाधीनपतिका। 15